विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (International Year of Cooperatives) के बैनर अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम:

विश्व पर्यावरण दिवस 2025

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत आयोजित विशेष कार्यक्रम

दिनांक: 5 जून 2025

स्थान: कुमारगढ़िया, गडीतांर और पल्टा, नारायणपुर प्रखंड, जिला जामताड़, झारखंड

थीम: *"एक पेड़ माँ के नाम"*

आयोजक: जिला विकास प्रबन्धक देवघर और जामताड़ा, नाबार्ड

पृष्ठभूमि:

विश्व पर्यावरण दिवस को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के बैनर अंतर्गत *"एक पेड़ माँ के नाम"* थीम के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर सहकारिता के सिद्धांतों को पर्यावरणीय उत्तरदायित्व से जोड़ते हुए सामुदायिक भागीदारी पर विशेष बल दिया गया।

मुख्य उद्देश्य:

- **सहकारी मूल्यों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक प्रयासों से आगे बढ़ाना।**
- **जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील समुदायों को जागरूक करना।**
- **LEDP के तहत प्रशिक्षित महिलाओं को हरित पहल का नेतृत्व सौंपना।**

प्रमुख गतिविधियाँ:

1. **वृक्षारोपण अभियान ("एक पेड़ माँ के नाम")**
    - **महिलाओं ने अपनी माताओं के सम्मान में एक-एक पौधा रोपा।**
    - **पौधारोपण में फलदार, छायादार एवं स्थानीय प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई।**
    - **सभी लाभार्थियों को पौधों की देखभाल हेतु जिम्मेदारी सौंपी गई।**

2. **पर्यावरणीय संवाद सत्र:**
    - **NAFCC और LEDP परियोजनाओं से जुड़े मामलों पे जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण और जैव विविधता जैसे विषयों पर संवाद।**
    - **सहभागी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और स्थानीय समाधान पर चर्चा की।**
3. **सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं शपथ ग्रहण:**
    - **पर्यावरण पर आधारित लोक गीत।**
    - **"हर साल एक पेड़" की शपथ सभी प्रतिभागियों द्वारा ली गई।**

प्रभाव और उपलब्धियाँ:

- **50 पौधे लगाए गए।**
- **तीन गाँव से 50 से अधिक महिलाओं की सक्रिय भागीदारी।**
- **सामूहिक वृक्षारोपण ने पर्यावरणीय चेतना के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी मज़बूत किया।**
- **सहकारिता के सिद्धांतों — *सहयोग, सहभागिता और सतत विकास* — को व्यवहार में लाया गया।**

निष्कर्ष:

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर सामुदायिक चेतना, पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी और सहकारी भावना का जीवंत उदाहरण बना। इस प्रकार के प्रयास जलवायु संकट से निपटने में ग्रामीण समुदायों की भूमिका को सशक्त करते हैं।

फोटो

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
NABARD
2025
International Year of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World
एक पेड़ माँ के नाम
विश्व पर्यावरण दिवस 2025
आयोजक : जिला विकास प्रबंधक, देवघर एवं जामताड़ा (झारखण्ड)

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
NABARD
2025
एक पेड़

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
NABARD
2025
International Year of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World
के नाम
(झारखण्ड)

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
NABARD
2025
International Year of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World
एक पेड़ माँ

NABARD

NABARD
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
2025
International Year of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World
एक पेड़ माँ के
विश्व पर्यावरण दिवस
आयोजक : जिला विकास प्रबंधक, देवघर

NABARD
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
International Year of Cooperatives
2025

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण वि
2025
क पेड़ माँ के नाम